

नाथो के नाथ भोलेनाथ | by Sunil Sarvottam

देवों के देव कहलाते वो भोलेनाथ हैं
मालिक हैं तीन लोक के नाथो के नाथ हैं
देवों के देव कहलाते.....

बाबा के होते क्यों होता उदास है
दुखियों का दाता है दीनो के साथ है
वो भोलेनाथ है
दुखियो की झोली भरता वो बांटे सौगात है
मालिक हैं तीन लोक के नाथो के नाथ हैं
देवों के देव कहलाते.....

बम भोले बम लेहरी जो कोई बोलता
बाबा तो उन सबकी किस्मत है खोलता
किसको मिलेगा कितना ये बाबा के हाथ है
मालिक हैं तीन लोक के नाथो के नाथ हैं
देवों के देव कहलाते.....

माथे पे चंदा है गंगा जटाओ में
दानव दल रहता है बाबा के पाँव में
बाबा के पाँव में
दुष्टो के काल बन जाते वो भैरुनाथ है
मालिक हैं तीन लोक के नाथो के नाथ हैं
देवों के देव कहलाते.....

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a8%e0%a4%be%e0%a4%a5%e0%a5%8b-%e0%a4%95%e0%a5%87-%e0%a4%a8%e0%a4%be%e0%a4%a5-%e0%a4%ad%e0%a5%8b%e0%a4%b2%e0%a5%87%e0%a4%a8%e0%a4%be%e0%a4%a5-by-sunil-sarvottam/>